शिक्षक - रवि शंकर राय, विषय - अर्थशास्त्र

दिनांक - 11-07-2020, वर्ग - B.A-I

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

Objective

प्रत्येक घरेलू साधन का अंश 40% है और आयात आगतों का 60% है। नगद कर के बाद कपड़ा धोने का मशीन की प्रति इकाई कीमत 11000 रु = 10000 + 1000 रु होगी। इस स्थिति में कर की प्रभावी दर है → 25% ।

52. दिए गए रेखाचित्र में वक्र I और वक्र II क्रमशः देश A तथा B के उत्पादन संभावना वक्रों को चित्रित करते हैं, रेखाचित्र दो देश, दो वस्तु मॉडल से संबंधित हैं। जब मुक्त व्यापार खुल जाता है तो प्रत्येक देश को रिकार्डो मॉडल के अनुरूप विशेषज्ञता प्राप्त करता है। किसी एक समय व्यापार की शर्तें देश A की घरेलू विनिमय अनुपात पर तय होगी। इस स्थिति में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ होगी → पूरी तरह देश A को।

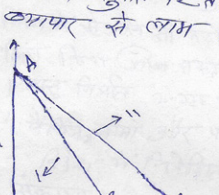

53. मुद्रा अवमूल्यन के परिणामस्वरूप एक देश की व्यापार स्थिति में सुधार होगा (जहाँ S_x = निर्यात प्रति की लोच, S_m = आयात प्रति की लोच, D_x = निर्यात मांग लोच, D_m = आयात मांग की लोच) यदि → $D_x D_m > S_x S_m$

54. अनुक्रम — कॉब्डेन लाव → स्मिथ सोनियन समझौता → मराकश घोषणा।

55. प्रशुल्क और कोटा के प्रभावों के बीच यह तुल्यता, जो आयात की समान मात्रा को सीमित करती है। इस मान्यता पर आधारित है कि
→ 1. विदेश में प्रतिस्पर्धात्मक स्थितियाँ विद्यमान हैं
2. कोटाधारकों के मध्य पूर्ण प्रतियोगिता है
3. घरेलू आयात प्रतियोगी उद्योग में स्वतंत्र प्रतियोगिता है।

56. विदेशी अप्रत्यक्ष निवेश में सम्मिलित है →
1. सार्वभौम निक्षेप रसीदें और विदेशी करेंसी परिवर्तनीय बॉण्ड
2. अप्रवासी बाह्य जमाएं।

1. टॉसिग — वस्तु विनिमय स्थिति
2. प्रेबिश — असमान व्यापार शर्त की स्थिति
3. मार्शल — आपूर्ति वक्र।

58. 1. विशिष्ट शुल्क — मात्रा पर आधारित शुल्क।
2. आत्मनिर्भरता — व्यापार की अनुपस्थिति।
3. कोटा → गैर प्रशुल्क विकृतियां।

59. संतुलन के बिन्दु पर विनिमय दर वह है जो बनाए रखती है → देश के विदेशी विनिमय रिजर्व में बिना किसी शुद्ध परिवर्तन के एक पूरी अवधि में भुगतान शेष में संतुलन।

60. निम्न में से कौन सी मदों को भुगतान शेष के चालू खाता में सम्मिलित किया जा सकता है →
1. वस्तु निर्यात 2. गृह देश में विदेशी पर्यटकों का व्यय
4. बैंकिंग, बीमा और परिवहन सेवाएं
5. विदेश में निवेशित पूंजी से प्राप्त आय।

61. अंकटाड (UNCTAD) का पूरा नाम है → United Nations Conference on Trade And development

62. 1. रिकार्डो का तुलनात्मक लागत सिद्धान्त मूल्य के श्रम सिद्धान्त पर आधारित है।
2. मूल्य का श्रम सिद्धान्त घरेलू व्यापार में चरितार्थ होता है।

63. 1. अवमूल्यन तथ्यत: विनिमय दर में परिवर्तन करता है।
2. पुनर्मूल्यन, अवमूल्यन का उल्टा है।

64. 1. सीमा शुल्क मुख्य रूप से वस्तु मूल्यों को प्रभावित करते हैं।
2. मात्रात्मक प्रतिबन्ध, इस ढंग से बनाए गए हैं कि वे आयातित या निर्यातित के परिमाण को निर्धारित करती हैं।

65. ऐसे संसार में जहाँ केवल दो वस्तुएं X और Y तथा कारकों का पूर्ण रोजगार हो, वस्तु X की कीमत में वृद्धि का परिणाम होता है → X के उत्पादन में सघनरूप से प्रयुक्त कारक के वास्तविक प्रतिफल में वृद्धि।

66. निम्न में से WTO का कार्य कौन सा है —
1. व्यापार समझौते के लिए मंच प्रदान करना।

WTO करार को लागू करना
5- सदस्यों के परस्पर विवादों का निपटारा करना।
7- भूमंडलीय आर्थिक नीतियों के निर्माण में IMF और IBRD के साथ समन्वय करना।

67. शिशु उद्योग तर्क का मक्ष समर्थन बहुधा किया जाता है → संरक्षण के संबंध में।

68. प्रशुल्क का संप्राप्ति (Revenue) पर कोई प्रभाव नहीं होगा यदि लगाया गया शुल्क है → निषेधात्मक।

69. निम्न अवस्था में से किस एक में उन दो देशों के बीच व्यापार की सम्भावना होगी जिनकी कारक विधियाँ समरूप होती हैं। → जब दोनों देशों में उपभोक्ता की रुचियाँ और अभिमान में अन्तर होते हैं।

70. पाटने का लक्ष्य होता है कि किसी बाहरी देश में → निम्न कीमत वाली वस्तुओं की बाढ़ ला दे।

71. यदि आपूर्ति वक्र एक सीधी रेखा हो तो → शुल्क की अनुपस्थिति व्यापार की स्थिति को सुधार सकती है।

72. मुद्रा का अधिमूल्यन तब वांछनीय नहीं होता, जब → कोई देश अपने निर्यात को बढ़ाना और आयात को घटाना चाहता है।

73. निम्न में से कौन एक मुद्रा की पूँजी लेखा परिवर्तनीयता को दर्शाता है → वित्तीय परिसम्पत्तियों से बाहरी देशों के साथ बेरोकटोक लेन देन की स्वतंत्रता।

74. 1. अवमूल्यन द्वारा भुगतान संतुलन का असंतुलन दूर किया जा सकता है।
2. अवमूल्यन द्वारा आयातित वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं और अवमूल्यन करने वाले देश द्वारा निर्यात वस्तुओं की विदेशी कीमत घट जाती है।

75. एक अनुकूलतम प्रशुल्क → व्यापार की शर्तों को सुधार करता है।

76. अवमूल्यन का परिणाम होता है—
1. आयात की घरेलू कीमतों में वृद्धि।
2. निर्यात की विदेशी कीमतों में कमी।

77. हेक्शर-ओलिन के व्यापार के सिद्धान्तों को वैध होने के लिए दोनों देशों की साधन सम्पन्नता होनी चाहिए → यथा संभव दूर-दूर।